गंध से शत्रु को पहचान लेते हैं हाथी

हम इंसान भले ही अपने मित्र या शत्रु को पहचानने में धोखा खा जाएं, लेकिन हाथी इसमें बड़े उस्ताद होते हैं। वे किसी मनुष्य के कपड़े के रंग या गंध से भी यह अनुमान लगा लेते हैं कि अमुक व्यक्ति उनका मित्र है या शत्रु।

यह खुलासा सेंट एंड्रूज़ यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन में हुआ है। इस अध्ययन में पाया गया कि जब अफ्रीकी हाथियों को मासाई जनजाति के पुरुषों द्वारा पहने गए कपड़े सुंघाए गए तो उनकी प्रतिक्रिया भय से भरी थी। मासाई जनजाति के लोग अपनी शूरता को प्रदर्शित करने के लिए हाथियों को भालों या तीरों से भेदते हैं। यही नहीं, जब हाथियों को लाल रंग के कपड़े दिखाए गए तो भी वे भड़क गए। मासाई समुदाय की पारम्परिक पोशाक का रंग लाल ही होता है।

इसके विपरीत जब हाथियों को कांबा लोगों के कपड़े सुंघाए गए तो उनकी प्रतिक्रिया उतनी तीव्र नहीं थी। इसकी वजह यही मानी गई कि कांबा लोग अमूमन खेतिहर होते हैं और उनसे हाथियों को कोई खतरा नहीं रहता है।

शोधकर्ताओं डॉ. लुसी बेट्स और प्रोफेसर रिचर्ड बायरने ने अपने अध्ययन के बारे में बताया कि जब हाथियों को मासाई लोगों के पहने हुए कपड़े सुंघाए गए तो उनकी प्रतिक्रिया काफी तेज़ रही और पहले मिनट में वे तेज़ी से भाग निकले। उसके बाद भी वे पांच मिनट तक चलते रहे और फिर कहीं जाकर विश्राम किया।

गंध के अलावा इस बात का भी अध्ययन किया गया कि हाथी रंग से जुड़े संभावित खतरे को पहचान पाते हैं अथवा नहीं। इसके लिए उन्हें सफेद व लाल रंग के कपड़े दिखाए गए। सफेद रंग के प्रति तो वे शांत रहे, लेकिन लाल रंग को देखते ही वे भड़क गए। इससे साफ हुआ कि वे मासाई जाति द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले लाल रंग के पारम्परिक वस्त्रों को पहचान गए और इसीलिए उन्होंने इतनी तीखी प्रतिक्रिया की।

मनोवैज्ञानिक इस अध्ययन से काफी उत्साहित हैं। उनका कहना है कि यह संभवतः ऐसा पहला मौका है जब किसी जानवर ने एक ही प्रजाति के अपने शिकारी के खतरे को अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित किया है।

प्रोफेसर रिचर्ड बायरने कहते हैं, "इसमें कोई संदेह नहीं है कि जब हाथियों का मनुष्य से संघर्ष होता है तो वे खतरनाक साबित होते हैं, लेकिन हमारा अध्ययन बताता है कि मनुष्य से भिड़ने की बजाय हाथी दूर भागना पसंद करते हैं।" दरअसल, यह अध्ययन हाथियों की क्षमता का आकलन करने का शुरुआती परीक्षण मात्र है। इसमें इस बात का परीक्षण किया जा रहा है कि हाथी दुनिया को किस नज़र से देखते हैं और उनकी क्षमता हमारे निकटतम रिश्तेदार बंदर से अधिक है या नहीं। ***(स्रोत फीचर्स)***